CHAHAL ACADEMY
LEARN TODAY! LEAD TOMORROW!
96259-93995

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

*निर्धारित समय : **तीन घंटे***	*अधिकतम अंक : **250***
*Time Allowed : **Three Hours***	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) अराजकता के संदर्भ में चर्चा कीजिए कि क्या व्यक्ति की स्वतंत्रता राज्य की संप्रभुता के संगत है अथवा नहीं ।

Discuss in the context of anarchy whether the freedom of an individual is consistent with the sovereignty of the State. *10*

(b) चर्चा कीजिए कि क्या नागरिकों और राज्य के लिए शासन को बेहतर बनाने हेतु, राजतंत्र का लोकतंत्र के साथ सम्मिश्रण कर देना, उनकी अवांछनीय त्रुटियों से बचने के लिए, कल्पनीय है ।

Discuss whether a blending of monarchy with democracy is conceivable to avoid their undesirable defects for making the governance better for citizens and State. *10*

(c) क्या जाति भेदभाव समाज के विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की या धार्मिक अनुष्ठानों की श्रेष्ठता मनोग्रंथि का नतीजा है ? डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा प्रतिपादित विचारों के संदर्भ में चर्चा कीजिए ।

Is caste discrimination a result of the superiority complex of a privileged class of the society or of religious rituals ? Discuss with reference to the views propounded by Dr. B.R. Ambedkar. *10*

(d) अधिकारों और कर्तव्यों में से कौन दूसरे का प्राथमिक है ? जवाबदेही के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Out of rights and duties, which one is prior to the other ? Discuss in the context of accountability. *10*

(e) लोकतांत्रिक समता और समता की मार्क्सवादी धारणा के बीच मौलिक भिन्नता के विभिन्न पक्षों पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the different aspects of the fundamental distinction between democratic equality and the Marxian notion of equality. *10*

Q2. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि पाश्चात्य आदर्श के रूप में धर्मनिरपेक्षता भारत के संदर्भ में अनावश्यक है ? बहु-सांस्कृतिक भारतीय समाज के संदर्भ में इस पर चर्चा कीजिए ।

Do you agree with the view that secularism as a western ideal is redundant in the Indian context ? Discuss in the context of the multicultural Indian society. *20*

(b) समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए कि क्या सामाजिक प्रगति का आदर्श अपने कर्तव्यों पर व्यक्ति की स्वतंत्रता को गौण महत्त्व देता है ।

Critically evaluate whether the ideal of social progress gives a secondary significance to an individual's freedom over his duties. *15*

(c) चर्चा कीजिए कि क्या सम्प्रभुता की कौटिल्य की संकल्पना स्वेच्छाचारी शासन में परिवर्तित हो जाती है । बोडिन की संकल्पना से यह किस हद तक तुलनीय है ? विवेचना कीजिए ।

Discuss whether Kautilya's concept of sovereignty turns into a despotic rule. How far is it comparable to Bodin's concept ? Discuss. *15*

Q3. (a) क्या सामाजिक न्याय के संरक्षण के नाम पर मार्क्सवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिबन्धित करता है ? विवेचना कीजिए ।

Does Marxism curb individual freedom in the name of protecting social justice ? Discuss. *20*

(b) बलात्कार, हत्या और भ्रष्टाचार जैसे अपराधों के लिए क्या आप मृत्युदण्ड को उचित सिद्ध कर सकते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Can you justify capital punishment for crimes like rape, murder and corruption ? Discuss. *15*

(c) क्या महिलाओं का सशक्तिकरण भूमि, सम्पत्ति और विवाह-विच्छेद के लिए उनके समान अधिकारों का एक पर्याप्त साधन है ? धार्मिक संस्वीकृतियों के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Is empowerment of women a sufficient means to their equal rights to land, property and divorce ? Discuss in the context of religious sanctions. *15*

Q4. (a) आर्थिक एवं राजनीतिक आदर्शों पर आधारित सामाजिक प्रगति की संकल्पना के विरुद्ध नैतिक सिद्धान्तों में निहित सामाजिक विकास की संकल्पना का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the concept of social development as rooted in ethical principles against the concept of social progress being based on economic and political ideals. *20*

(b) भारतीय लोकतंत्र में न्याय की संकल्पना पर मार्क्स, गाँधी और अमर्त्य सेन किस हद तक सहमत या असहमत हैं ? विवेचना कीजिए ।

How far do Marx, Gandhi and Amartya Sen agree and disagree on the concept of justice in the Indian democracy ? Discuss. *15*

(c) क्या महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के लिए कठोर दण्ड समाज की मानसिकता को बदल देगा ? अपने पक्ष के औचित्य को प्रमाणित कीजिए ।

Will a severe punishment for crimes against women change the mind-set of society ? Justify your position. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) क्या प्रतिबद्ध धार्मिक व्यक्ति सामाजिक नैतिकता के विरुद्ध आचरण करता है ? नैतिक दृष्टि से विवेचना कीजिए ।

Does a committed religious person go against social morality ? Discuss from the moral perspective. *10*

(b) आप अनिष्ट के अ-धर्मशास्त्रीय संप्रत्यय को किस प्रकार परिभाषित करते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How do you define a non-theological concept of evil ? Explain. *10*

(c) क्या धर्म के लिए ईश्वर का होना आवश्यक है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

Is God necessary for religion ? Justify your answer. *10*

(d) चर्चा कीजिए कि क्या आत्मा के अमरत्व का सिद्धांत धर्म के लिए अपरिहार्य है ।

Discuss whether the doctrine of immortality of soul is indispensable for a religion. *10*

(e) दर्शन की योग प्रणाली में मनुष्य के ईश्वर के साथ संबंध पर समालोचनात्मक चर्चा कीजिए ।

Critically discuss the relationship of man with God in the Yoga system of philosophy. *10*

Q6. (a) क्या जीवन के प्रति धर्मशास्त्रीय और ग़ैर-धर्मशास्त्रीय दृष्टिकोणों में मोक्ष की संकल्पना में कोई मौलिक भेद है ? चर्चा कीजिए ।

Is there an essential difference between the concept of Liberation in theological and non-theological approaches to life ? Discuss. *20*

(b) क्या धर्म परम सत्य की गारंटी प्रदान करता है ? धार्मिक बहुलवाद के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Does religion guarantee the absolute truth ? Discuss in the context of religious pluralism. *15*

(c) ईश्वर के अस्तित्व के लिए सृष्टि-कारण युक्ति के विभिन्न रूपों के बीच समानता और वैषम्य दिखाइए ।

Compare and contrast the different forms of cosmological argument for the existence of God. *15*

Q7. (a) क्या सादृश्यों की भाषा अधिक संभ्रांतिकारी और प्रतीकों की भाषा अधिक अबुद्धिगम्य नहीं होती है ? धार्मिक भाषा के मामले में इसका मूल्यांकन कीजिए ।

Is not the language of analogies more confusing and the language of symbols more unintelligible ? Evaluate it in the case of a religious language. *20*

(b) सामाजिक रीतियों की ग़ैर-धर्मशास्त्रीय प्रणाली में परम नैतिक मूल्यों का प्राधिकार और स्वीकृति क्या होगी ? चर्चा कीजिए ।

What will be the authority and acceptance of the absolute ethical values in the non-theological system of social practices ? Discuss. *15*

(c) चर्चा कीजिए कि क्या आस्था की स्वैच्छिकतावादी थियोरियाँ पर्याप्त हैं ।

Discuss whether the voluntarist's theories of faith are adequate. *15*

Q8. (a) क्या शाश्वत माने जाने वाले धार्मिक आदर्शों, सिद्धान्तों और रीतियों, आदि के बारे में कोई धार्मिक व्यक्ति लचीला दृष्टिकोण अपना सकता है ? क्या यह धर्म को प्रगतिशील बनाएगा या उसके प्राधिकार को ध्वस्त कर देगा ? समीक्षात्मक विवेचना कीजिए ।

Can a religious person take an elastic view about religious ideals, principles and practices, etc. which are supposed to be eternal ? Will it make the religion progressive or will it demolish its authority ? Discuss critically. *20*

(b) ईश्वर की ग़ैर-धर्मशास्त्रीय संकल्पना क्या है ? वह ईश्वर की धर्मशास्त्रीय संकल्पना से कैसे भिन्न है ? तर्क सहित विवेचना कीजिए ।

What is a non-theological concept of God ? How is it different from a theological concept of God ? Discuss with arguments. *15*

(c) धार्मिक अनुभूतियों की अभिव्यक्तियों को संप्रेषणीय बनाने के लिए किस प्रकार की भाषा की संरचना करने और उपयोग करने की आवश्यकता है ? व्याख्या कीजिए ।

In order to make expressions of religious experiences communicable, what kind of language needs to be constructed and used ? Explain. *15*